प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1.जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति
वाराणसी।
2.मुख्य चिकित्साधिकारी,
वाराणसी।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2018–19/3377-2 दिनांकः 04.07.2018

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा माह मई 2018 में किये गये पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार (कार्यालय पत्र संख्या एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0 एण्ड ई0 /2018–19/18/565–2 दिनांक–24.04.2018) राज्य स्तरीय टीम के द्वारा दिनांक 28 से 30 मई 2018 तक जनपद वाराणसी एवं जौनपुर का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद के स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

उक्त के क्रम में आपसे अपेक्षा है कि संबंधित बिन्दुओं पर कार्यवाही करते हुये अनुपालन आख्या एक सप्ताह के अन्दर मिशन निदेशक कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीय

Niraj Shukla
(डा0 नीरज शुक्ला)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2018–19/ तद्दिनांकः

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, वाराणसी मण्डल, वाराणसी।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, वाराणसी मण्डल।
4. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, वाराणसी मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, वाराणसी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डा0 नीरज शुक्ला)
अपर मिशन निदेशक

Scanned by CamScanner

दिनांक 28 मई से 30 मई 2018 तक मण्डल– वाराणसी की भ्रमण आख्या

मिशन निदेशक महोदय द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में दिनांक 28 मई से 30 मई 2018 तक वाराणसी मण्डल में वित्तिय वर्ष 2018–19 में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु भ्रमण किया गया। भ्रमण टीम में डा0 राजेश झा, महाप्रबन्धक, कम्यूनिटी प्रोसेस, डा0 अनीता कुमारी, सलाहकार, कम्युनिटी प्रोसेस और डा0 अर्पित श्रीवास्तव, सलाहकार, नियमित टीकाकरण द्वारा भ्रमण किया गया।

28.05.2018

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण प्रथम चरण में महाप्रबन्धक, कम्यूनिटी प्रोसेस द्वारा अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वाराणसी मण्डल से भ्रमण के उद्देश्यों के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान संयुक्त निदेशक, वाराणसी मण्डल, मण्डलीय परियोजना प्रबंधक, डिविजनल अर्बन कोऑर्डिनेटर, क्वालिटि कन्सल्टेन्ट एवं रीजनल कोऑर्डिनेटर (आशा) द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक में सरकार की नवीन प्राथमिकतायें जैसे– हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन, समग्र ग्राम योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त जे0एस0वाई0, जे0एस0एस0के0, एफ0आर0यू0 की क्रियाशीलता, एस0एन0सी0यू0 एवं एन0आर0सी0 की स्थिति, एच0बी0एन0सी0 कार्यक्रम के सम्बन्ध में भी चर्चा की गई।

विभिन्न जनपदों में परिवार नियोजन सम्बन्धी प्रशिक्षणों एवं सर्जन की उपलब्धता एवं परिवार नियोजन के साधनों के सप्लाई चेन के बारे में भी चर्चा की गई। अवगत कराया गया कि परिवार नियोजन के साधनों को जनपदों में ट्रांसपोर्ट किये जाने हेतु कोई बजट न होने के कारण इसमें कठिनाई आ रही है। मण्डल स्तर पर एम0 एण्ड ई0 वैहिकल की उपलब्धता भी नहीं सुनिश्चित हो पा रही है। कम्युनिटी प्रोसेस प्रोग्राम के अंतर्गत जनपद जौनपुर में डी0सी0पी0एम0 के न होने के कारण कम्युनिटी प्रोसेस से सम्बन्धित कार्यो में अत्यन्त कठिनाई हो रही है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद गाजीपुर में केवल 3 टीमें कार्य कर रही हैं एवं वाहन की कोई व्यवस्था नहीं है। डिविजनल अर्बन कोऑर्डिनेटर द्वारा अवगत कराया गया कि गाजीपुर के 2 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्टॉफ की अत्यन्त कमी है। मण्डल में 284 शहरी आशाओं के सापेक्ष 236 आशायें कार्य कर रही हैं। मण्डल में मास का गठन कर लिया गया है लेकिन जीरो बैलेंस एकाउण्ट खोलने में कठिनाई हो रही है। क्वालिटी एन्सोरेंस कन्सल्टेन्ट द्वारा बताया गया कि विभिन्न जनपदों में क्लीनिक एवं बायो वेस्ट की सुविधा नहीं है।

अर्बन पी0एच0सी0 शिवपुर, वाराणसी

अर्बन पी0एच0सी0 शिवपुर के भ्रमण के दौरान यह संज्ञान में आया कि जनपद के सभी 24 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में रोगी कल्याण समिति का गठन कराया जा चुका है, परन्तु इस वर्ष धनराशि हस्तांतरित नहीं की गई है। चिकित्सालय में प्रतिदिन लगभग 70 से 80 मरीज देखे जाते हैं। इस हेतु एक

Scanned by CamScanner

फुल टाईम एवं एक पार्ट टाईम डॉक्टर हैं। चिकित्सालय में सफाई कर्मी का कोई पद नहीं है एवं कोई आफिस असिटेन्ट इसके लिए तैयार नहीं है।

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी

सर्वप्रथम कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की गई। बैठक में सर्वप्रथम जनपद स्तर पर कमिटेड धनराशि के बारे जानकारी प्राप्त की गई। यह बताया गया बी0एच0यू0 में लगभग रू0 18.00 करोड़ की धनराशि एम0सी0एच0 विंग के लिए रक्षित है एवं इस हेतु बी0एच0यू0 के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ शीघ्र बैठक प्रस्तावित है। जनपद में 30 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के लिए लगभग रू0 1.99 करोड़ एवं ई हास्पिटल मद में रू0 33.00 लाख की धनराशि कमिट की गई है। इसी प्रकार अपर निदेशक कार्यालय द्वारा भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से भी रू0 10.00 की धनराशि कमिट की गई है। सभी सम्बन्धित अधिकारियों को उक्त धनराशि को व्यय किये जाने सम्बन्धित योजना तैयार किये जाने हेतु सुझाव दिया गया। मातृ स्वास्थ्य के अंतर्गत ब्लॉकवार जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जी0डी0एम0, एम0डी0आर0 की भी समीक्षा की गई। जनपद में गत वर्ष 232 के सापेक्ष केवल 72 मातृ मृत्यु दर्ज की गई। समस्त अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को मातृ मृत्यु सम्बन्धित सूचना समय से दिये जाने के लिए आशाओं को प्रेरित करने के निर्देश दिये गये। जिन आशाओं द्वारा मातृ मृत्यु होने के पश्चात भी सूचना नहीं दी जा रही है, ऐसी आशाओं के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में भी सुझाव दिया। जनपद में 4 एफ0आर0यू0 चिन्हित किये गये हैं, परन्तु केवल जिला चिकित्सालय एवं चोलापुर ही क्रियाशील हैं। लाल बहादुर चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामनगर स्थित एफ0आर0यू0 को भी सक्रिय किये जाने के सम्बन्ध में कार्यवाही किये जाने का भी सुझाव दिया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत अवगत कराया गया कि करीब 2000 लाभार्थी करेक्शन क्यू में हैं। आयुष्मान भारत के अंतर्गत प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान में 760 ग्राम सभाओं में बैठकें करा ली गई हैं एवं 50 से 60 प्रतिशत लाभार्थियों का सत्यापन किया जा चुका है।

जनपद स्थित पोषण पुर्नवास केन्द्र में संदर्भन अत्यन्त कम है। आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम में अंतर्गत बनारस हिन्दू यूनिवरसिटी के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ एम0ओ0यू0 नहीं हो पाया है जिस कारण डी0आई0सी0 नहीं विकसित किया जा पा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पी0सी0पी0एन0डी0टी0 एक्ट नवीन शासनादेश के अनुसार अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों का निरीक्षण प्रारम्भ किया जा रहा है।

परिवार कल्याण समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि नसबंदी टीम को वाहन विलम्ब से मिलने के कारण कई स्थानों पर नसबंदी कैम्प समय से नहीं संचालित किये जा पा रहे हैं। यदि ब्लॉक स्तरीय वाहन

Scanned by CamScanner

के स्थान पर जनपद स्तरीय वाहन उपलब्ध कराये जाये तो टीम समय से पहुँच पायेगी। यह भी बताया गया कि पेन्टाजोसिन इन्जेक्शन नहीं प्राप्त होने के कारण नसबंदी ऑपरेशन में कठिनाई हो रही है। इस हेतु तमिलनाडु कॉर्पोरेशन को ऑर्डर किया गया है, परन्तु अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया है। जनपद में एम्बुलेंस का मेंटनेंस सही नहीं होने के कारण कई स्थानों पर एक सप्ताह तक एम्बुलेंस ऑफ रोड हो जा रही है जिस कारण जनसमुदाय को समस्या आ रही है। एन0पी0सी0डी0सी0एस0 कार्यक्रम के अंतर्गत पं0 दीनदयाल चिकित्सालय में चिकित्सक तथा औषधि की उपलब्धता है एवं कैंसर स्क्रीनिंग कराई जा रही है, परन्तु चोलापुर एवं आराजीलाइन में अभी उक्त कार्यक्रम ठीक से नहीं हो पा रहा है। निर्माण कार्य के अंतर्गत सी0एच0सी0 हस्तगत कराया जा चुका है, परन्तु अभी तक कोई स्टॉफ या उपकरण आदि उपलब्ध नहीं हुआ हैं जिस कारण सी0एच0सी0 सेवाओं का उपयोग नहीं कराया जा पा रहा है।

Scanned by CamScanner

दिनांक 28 मई से 30 मई 2018 तक जनपद– वाराणसी और जौनपुर की भ्रमण आख्या

मिशन निदेशक महोदय द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में दिनांक 28 मई से 30 मई 2018 तक जनपद– वाराणसी और जौनपुर में वित्तिय वर्ष 2018–19 में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु भ्रमण किया गया। भ्रमण टीम में डा0 राजेश झा, महाप्रबन्धक, कम्यूनिटी प्रोसेस, डा0 अनीता कुमारी, सलाहकार, कम्युनिटी प्रोसेस और डा0 अर्पित श्रीवास्तव, सलाहकार, नियमित टीकाकरण द्वारा भ्रमण किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चोलापुर–

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
चिकित्सालय परिसर	• परिसर में साफ सफाई थी। • सिटीजन चार्टर मौजूद नहीं थी। • आई० ई०सी०की कमी पाई गयी।	• सिटीजन चार्टर लगाया जान है। • परिसर में स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं दी जाने वाली सेवाओं की नवीनतम आई० ई० सी० लगायी जानी है।	चिकित्सा अधीक्षक
मानदेय	• समस्त संविदा कर्मियों (आर0एन0टी0सी0पी0,आर0बी0एस0के0 और ब्लॉकस्तरीय कर्मचारियों) का भुगतान माह मार्च 2018 तक ही किया गया था।	• चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि तीन दिन बाद समस्त संविदा कर्मियों को माह मई 2018 तक का मानदेय दे दिया जायेगा।	चिकित्सा अधीक्षक / ब्लॉक लेखा प्रबन्धक
जननी सुरक्षा योजना	• 50–60 लाभार्थीयों का भुगतान नही किया गया था।	• माह जून 2018 में उक्त लाभार्थीयों का भुगतान किये जानें का कार्य प्रगति पर है।	चिकित्सा अधीक्षक / ब्लॉक लेखा प्रबन्धक
जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम	• लाभार्थियों को डाइट नही दिया जा रहा था।	• टीम द्वारा यह सलाह दी गयी कि जब तक डाइट एजेन्सी का भुगतान नही किया जाता है तब तक होने वाली आगामी DHS की वैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य	चिकित्सा अधीक्षक / ब्लॉक लेखा प्रबन्धक

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
		केन्द्र चोलापुर में लोकल स्तर पर व्यवस्था करके डाइट दिया जाने हेतु अनुमोदन प्राप्त कर व्यवस्था की जायें।	
आशा/आशा संगिनी का भुगतान	आशा/आशा संगिनी का भुगतान	माह अप्रैल 2018 तक आशा और आशा संगिनी का भुगतान कर दिया गया है।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट डिसपोजल	• परिसर में बायो मेडीकल वेस्ट प्रबंधन के अंतर्गत 3 रंगों के डस्टबिन में अप्सिस्ट पदार्थ का निस्तारण मानकानुसार नहीं किया जा रहा था। • कर्मचारियों से वार्ता के दौरान बायो मेडीकल वेस्ट प्रबंधन के जानकारी में कमी पाई गयी।	• चिकित्सालय में कार्यरत कर्मचारियों का बायो मेडीकल वेस्ट प्रबंधन हेतु अभिमुखीकरण किया जाना है। • समय समय पर अप्सिस्ट पदार्थ के निस्तारण प्रक्रिया की समीक्षा की जानी है।	चिकित्सा अधीक्षक
आर0बी0एस0के0	• प्रभारी द्वारा बताया गया कि आर0बी0एस0के0 टीम हेल्थ कैम्प में गयी हुयी है और अपराहनः 2.50 बजे तक वापस नही आयी इस कारण टीम से मुलाकात नही हो पायी।	• मास्टर प्लान CHC पर उप्लब्ध नही था।	चिकित्सा अधीक्षक
एन.बी.एस.यू.	• तीन रेडियेन्ट वार्मर लगे हुये थे। • वर्तमान समय में दो रेडियेन्ट वार्मर कार्य कर रहे है।	रेडियेन्ट वार्मर के स्वीच वोड सही कराया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/स्टॉफ नर्स

Scanned by CamScanner

गतिविधियां	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
प्रसव कक्ष	• लेबर रूम में पुराने प्रारूप पर रजिस्टर्स भरे जा रहे हैं। • लेबर रूम में 7 ट्रे मानकानुसार नहीं पाया गया। ट्रे में आवश्यक दवाइया उपलब्ध नहीं थी। • लेबर रूम रजिस्टर एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजो के अवलोकन करने के उपरांत ये तथ्य सामने आया कि शनिवार, रविवार एवं छुट्टी की दिनों में भरती गर्भवती महिलाओं के प्रसव उपरांत जन्मे बच्चो को टीका नहीं लगाया जा रहा है।	• नए प्रारूप के डिलेवरी रजिस्टर, ए०एन०सी० रजिस्टर, टीकाकरण रजिस्टर एवं अन्य रजिस्टर्स को उपलब्ध कराना एवं पूर्ण रूप से भरे जाना है। • 7 ट्रे को मानकानुसार रखे जाना है। • शनिवार, रविवार एवं छुट्टी की दिनों में चिकित्सालय परिसर में जन्मे बच्चों का टीकाकरण हेतु व्यवस्था की समीक्षा कर सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें।	चिकित्सा अधीक्षक / स्टॉफ नर्स

दिनांक 28.05.2018 को कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद–वाराणसी में प्रभारी चिकित्साधिकारी / अधीक्षक, बी.सी.पी.एम, बी०ए०एम० और बी०पी०एम० के साथ बैठक की गयी। जिसमें रीजनल कोआर्डिनेटर वाराणसी और जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबन्धक, कम्यूनिटी प्रोसेस द्वारा उक्त गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गयी–

1. मानदेय– (समस्त संविदा कर्मी)
2. जननी सुरक्षा योजना (लाभार्थी व आशा का भुगतान)
3. जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (ड्रग्स, डाइगनोस्टिक,डाईट)
4. अन्टाइड (जनपद,बी०सी०एच०सी० / पी०एच०सी०, उपकेन्द्र)
5. बायोमेडिकल वेस्ट डिसपोजल (क्लीनिंग, गार्डनिंग, वॉशिंग)
6. प्रोक्योरमेंट ऑफ ड्रग्स इक्यूपमेन्ट
7. आयूष ड्रग्स
8. राष्ट्रीय कार्यक्रम (आर०एन०टी०सी०पी०, एन०एल०ई०पी०, एन०सी०डी०)
9. आर०बी०एस०के० गाडिया
10. आशा भुगतान
11. जननी सुरक्षा योजना
12. जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम

Scanned by CamScanner

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी

सर्वप्रथम कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की गई। बैठक में सर्वप्रथम जनपद स्तर पर कमिटेड धनराशि के बारे जानकारी प्राप्त की गई। यह बताया गया बी0एच0यू0 में लगभग रू0 18.00 करोड़ की धनराशि एन0सी0एच0 विंग के लिए रक्षित है एवं इस हेतु बी0एच0यू0 के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ शीघ्र बैठक प्रस्तावित है। जनपद में 30 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के लिए लगभग रू0 1.99 करोड़ एवं ई हास्पिटल मद में रू0 33.00 लाख की धनराशि कमिट की गई है। इसी प्रकार अपर निदेशक कार्यालय द्वारा भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से भी रू0 10.00 की धनराशि कमिट की गई है। सभी सम्बन्धित अधिकारियों को उक्त धनराशि को व्यय किये जाने सम्बन्धित योजना तैयार किये जाने हेतु सुझाव दिया गया। मातृ स्वास्थ्य के अंतर्गत ब्लॉकवार जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जी0डी0एम0, एम0डी0आर0 की भी समीक्षा की गई। जनपद में गत वर्ष 232 के सापेक्ष केवल 72 मातृ मृत्यु दर्ज की गई। समस्त अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को मातृ मृत्यु सम्बन्धित सूचना समय से दिये जाने के लिए आशाओं को प्रेरित करने के निर्देश दिये गये। जिन आशाओं द्वारा मातृ मृत्यु होने के पश्चात भी सूचना नहीं दी जा रही है, ऐसी आशाओं के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में भी सुझाव दिया। जनपद में 4 एफ0आर0यू0 चिन्हित किये गये है, परन्तु केवल जिला चिकित्सालय एवं चोलापुर ही क्रियाशील हैं। लाल बहादुर चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामनगर स्थित एफ0आर0यू0 को भी सक्रिय किये जाने के सम्बन्ध में कार्यवाही किये जाने का भी सुझाव दिया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत अवगत कराया गया कि करीब 2000 लाभार्थी करेक्शन क्यू में हैं। आयुष्मान भारत के अंतर्गत प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान में 760 ग्राम सभाओं में बैठकें करा ली गई हैं एवं 50 से 60 प्रतिशत लाभार्थियों का सत्यापन किया जा चुका है।

जनपद स्थित पोषण पुर्नवास केन्द्र में संदर्भन अत्यन्त कम है। आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम में अंतर्गत बनारस हिन्दू यूनिवरसिटी के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ एम0ओ0यू0 नहीं हो पाया है जिस कारण डी0आई0सी0 नहीं विकसित किया जा पा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पी0सी0पी0एन0डी0टी0 एक्ट नवीन शासनादेश के अनुसार अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों का निरीक्षण प्रारम्भ किया जा रहा है।

परिवार कल्याण समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि नसबंदी टीम को वाहन विलम्ब से मिलने के कारण कई स्थानों पर नसबंदी कैम्प समय से नहीं संचालित किये जा पा रहे हैं। यदि ब्लॉक स्तरीय वाहन के स्थान पर जनपद स्तरीय वाहन उपलब्ध कराये जाये तो टीम समय से पहुँच पायेगी। यह भी बताया गया कि पेन्टाजोसिन इन्जेक्शन नहीं प्राप्त होने के कारण नसबंदी ऑपरेशन में कठिनाई हो रही है। इस

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
वाराणसी

Scanned by CamScanner

हेतु तमिलनाडु कॉर्पोरेशन को ऑर्डर किया गया है, परन्तु अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया है। जनपद में एम्बुलेंस का मेंटनेंस सही नहीं होने के कारण कई स्थानों पर एकसप्ताह तक एम्बुलेंस ऑफ रोड हो जा रही है जिस कारण जनसमुदाय को समस्या आ रही है। एन0पी0सी0डी0सी0एस0 कार्यक्रम के अंतर्गत पं0 दीनदयाल चिकित्सालय में चिकित्सक तथा औषधि की उपलब्धता है एवं कैंसर स्क्रीनिंग कराई जा रही है, परन्तु चोलापुर एवं आराजीलाइन में अभी उक्त कार्यक्रम ठीक से नहीं हो पा रहा है। निर्माण कार्य के अंतर्गत सी0एच0सी0 हस्तगत कराया जा चुका है, परन्तु अभी तक कोई स्टॉफ या उपकरण आदि उपलब्ध नहीं हुआ हैं जिस कारण सी0एच0सी0 सेवाओं का उपयोग नहीं कराया जा पा रहा है।

CMO 1.6.18

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
वाराणसी

Scanned by CamScanner